कृषि मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री शेर सिंह) : (क) यद्यपि दालों तथा तिलहनों के क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष उतार-चढ़ाव होता रहता है, किन्तु कोई विशिष्ट प्रवृत्ति लक्षित नहीं देती है।

(ख) प्रश्न ही नहीं होता।

(ग) ऐसी कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

(घ) प्रश्न ही नहीं होता।

(ङ) सरकार स्थिति से पूर्णतः परिचित है। उठाये गये कदम इस प्रकार हैं :—

(1) तिलहनों तथा दालों की खेती के लिए पैकेज प्रणाली अपनाना;

(2) संभाव्य क्षेत्रों में तिलहनों की खेती के लिए केन्द्रीय प्रायोजित योजनायें प्रारम्भ करना;

(3) सोयाबीन तथा सूरजमुखी की खेती के विकास द्वारा खाद्य तेलों के गैर परम्परागत श्रोतों का पता लगाना ;

(4) बिनौले तथा चावल की भूसी के तेल की उपलब्धि बढ़ाने में अतिरिक्त गौण तिलहनों की विधिवत खेती;

(5) बहुद्देशीय फसलों के अन्तर्गत दालों की अल्पावधि फसलों को अपनाकर उन के क्षेत्र को बढ़ाना और दीर्घ-कालीन फसलों में बीच की फसल की खेती; और

(6) तिलहनों तथा दालों आदि की अल्पावधि अधिक उत्पादनशील किस्में विकसित करने के लिए अनुसंधान कार्य को तीव्र करना।

कृषि कार्यों के लिये मध्य प्रदेश को केन्द्रीय ऋण

4948. श्री गंगा चरण दीक्षित : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1968-69 से 1970-71 में वर्षवार मध्य प्रदेश सरकार ने कृषि कार्यों के लिए कितना ऋण माँगा;

(ख) उक्त समय के दौरान वर्षवार सहकारी संस्थाओं की मार्फत कितना ऋण दिया गया; और

(ग) वर्ष 1968-69 से 1970-71 के दौरान केन्द्रीय सहकारी बैंकों और प्राथमिक कृषि समितियों द्वारा मध्य प्रदेश में कितनी देय राशि अभी तक वसूल की जानी थी ?

कृषि मन्त्रालय में उप मन्त्री (श्री जगन्नाथ पहाड़िया) : (क) जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

(ख) वर्ष | प्राथमिक सहकारी समितियों द्वारा वितरित किये गये ऋण (लाख रुपयों में)

1968-69		4036
1969-70 अनन्तिम		4561
1970-71	सहकारी वर्ष केवल 30-6-1971 को समाप्त हुआ है और आंकड़े लगभग 6 महीने के पश्चात उपलब्ध होंगे ।	
(ग) वर्ष	30 जून को बकाया ऋण (लाख रुपयों में) केन्द्रीय बैंक स्तर पर	प्राथमिक समितियों के स्तर पर
1968-69	6115	6290
1969-70 अनन्तिम	6946	7032
1970-71	सहकारी वर्ष केवल 31-6-1971 को समाप्त हुआ है और आंकड़े लगभग 6 महीने के पश्चात उपलब्ध होंगे ।	

Stray Cattle and estimated loss to Crops done by them during Fourth Plan

4949. SHRI D. K. PANDA : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether all over the country, large numbers of useless cows and oxen wander about causing destruction to edible crops ;

(b) the number of stray cattle being housed yearly in Goshalas ; and

(c) the estimated yearly destruction of crops by stray cattle during the Fourth Plan ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SHER SINGH) : (a) Yes, Sir.

(b) The stray cattle rounded up are not being housed in Gaushalas. Under a Central Government scheme productive cattle are allotted to bonafide breeders in the States where cattle are generally poor while the unproductive ones are sent to Gosadans. A total of 23,962 productive cattle were distributed up to March, 1970 including 102 allotted to Goshalas for breeding purposes. In addition 81,848 unproductive cattle were sent to Gosadans.

(c) No precise information about the extent of damage caused by stray cattle to crops is available.

Death of a Worker of Durgapur Steel Plant

4950. SHRI DASARATHA DEB : Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) whether the body of Shri Sahdev Das, a worker of Durgapur Steel Plant, has been discovered in a decomposed condition from a tank at Dhanbad village, near Durgapur Steel town on the 17th June, 1971;

(b) whether Government have instituted any inquiry into the death of Shri Das; and